VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(05 December 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- सीरिया में गृहयुद्ध का नया चरण: एक वृहद शक्ति संघर्ष की पटकथा
- रोजगार सृजन के मामले में, PLI योजना अब तक मिश्रित परिणामों वाली रही
- चीन ने कुछ दुर्लभ खनिजों के अमेरिका को निर्यात पर प्रतिबंध लगाया
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

सीरिया में गृहयुद्ध का नया चरण: एक वृहद शक्ति संघर्ष की पटकथा

मामला क्या है?

- उल्लेखनीय है कि सीरियाई गृहयुद्ध फिर से शुरू हो गया है। हालांकि, व्यवहार में सीरियाई गृहयुद्ध कभी खत्म नहीं हुआ था। 2020 में, रूस और ईरान समर्थित सीरियाई अरब सेना (SAA) के आखिरी बड़े जवाबी हमले के बाद, विद्रोही समूहों को देश के सुदूर उत्तर में धकेल दिया गया था, और बातचीत के जरिए युद्ध विराम लागू हुआ। तब से एक स्वीकार्य गतिरोध कायम था - भले ही युद्ध में शामिल लोगों के बीच लगातार झड़पें जारी रहीं।
- लेकिन 27 नवंबर को, सीरिया के इस्लामी आतंकवादियों ने राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेनाओं के खिलाफ एक नया हमला किया। इदलिब, अलेप्पो और हमा प्रांतों में लड़ाई के बाद, विद्रोहियों ने 2 दिसंबर तक देश के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। पश्चिम एशिया के देशों के बीच कूटनीति की झड़ी लग गई, राष्ट्रपति असद के सहयोगी ईरान और रूस ने उनके शासन को समर्थन

देने का वादा किया, और सीरियाई और रूसी लड़ाकू विमानों ने उत्तर-पश्चिमी सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों में लक्ष्य पर हमला करना शुरू कर दिया।

सीरियाई गृहयुद्ध का इतिहास क्या रहा है?

- सीरियाई गृहयुद्ध 2010 के "अरब स्प्रिंग" के आसपास शुरू हुआ, जिसे मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के कई देशों में दशकों से सत्ता में रही सत्तावादी सरकारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में देखा गया। ट्यूनीशिया और मिस्र जैसे कुछ देशों में, सत्तारूढ़ सरकारों को बाहर कर दिया गया। अधिकांश अन्य देशों में, सरकारों और सेनाओं ने आंदोलनों को कुचल दिया।
- माना जाता है कि इंटरनेट और सोशल मीडिया वेबसाइट जैसे ट्विटर, जो उस समय लोकप्रिय हो रहे थे, ने इस क्षेत्र में लोकतंत्र समर्थक विचारों के प्रसार में भूमिका निभाई थी। अमेरिका और रूस जैसी विदेशी सरकारों ने भी अपने-अपने रणनीतिक हितों के आधार पर घटनाओं पर प्रतिक्रिया दी।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- सीरिया में, 2000 में सत्ता में आये राष्ट्रपति असद के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। आज, वह सीरिया के कुछ क्षेत्रों - पूर्वी सीरिया में कुर्द-बहुल क्षेत्र, दक्षिण के हिस्से और सीरियाई रेगिस्तान के हिस्सा - को छोड़कर देश के बड़े हिस्सों को नियंत्रित करता है।
- मार्च 2020 में, तुर्की (सीरियाई विद्रोहियों का समर्थक) और रूस (असद शासन का समर्थक) ने इदलिब में युद्ध विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता जब से लागू है, तब से हयात तहरीर अल-शाम (HTS) ने प्रांत पर वास्तविक नियंत्रण बनाए रखा है।

हयात तहरीर अल-शाम (HTS) कौन हैं?

- हयात तहरीर अल-शाम (HTS) एक पूर्व अल-कायदा सहयोगी है जिसे पहले जबात अल-नुसरा (अल नुसरा फ्रंट) के रूप में जाना जाता था। HTS का नेतृत्व 42 वर्षीय सीरियाई आतंकवादी अबू मोहम्मद अल-जौलानी कर रहा है। जब इराक में अल-कायदा की कमान अबू बकर अल-बगदादी के हाथ में थी, तो जौलानी उसके करीबी लेफ्टिनेंट के रूप में उभरा।
- बगदादी ने सीरिया में गृहयुद्ध छिड़ने के बाद जब राष्ट्रपति असद से लड़ने के लिए सीमा पार सीरिया में अल-कायदा जिहादियों की एक टुकड़ी भेजने का फैसला

किया, तो उसने इसका नेतृत्व करने के लिए जौलानी को चुना। उसने जबात अल-नुसरा की स्थापना की। बाद में, जौलानी का बगदादी से झगड़ा हो गया क्योंकि बगदादी चाहता था कि अल-नुसरा इस्लामिक स्टेट में शामिल हो जाए। जौलानी अपने समूह को सीरिया में एक स्वायत्त अल-कायदा शाखा के रूप में बनाए रखना चाहता था।

- जब दुनिया का ध्यान इस्लामिक स्टेट की ओर गया, तो जौलानी ने इदलिब में अपना साम्राज्य धीरे-धीरे बढ़ाया। इस्लामिक स्टेट की हार हुई और बगदादी मारा गया, लेकिन जौलानी शासन-विरोधी सीरियाई उग्रवाद का चेहरा बनकर उभरा। उसने सबसे पहले अल-नुसरा का नाम बदलकर हयात तहरीर अल-शाम (HTS) कर दिया क्योंकि वह अपने समूह को अल-कायदा से अलग करना चाहता था-हालांकि HTS ने कभी भी अपनी इस्लामवादी विचारधारा को नहीं छोड़ा।
- वर्षों से, जौलानी के आदमियों ने इदलिब में एक समानांतर राज्य का निर्माण किया। जौलानी एक अमेरिकी-नामित आतंकवादी है, लेकिन, इदलिब पर अपना शासन स्थापित करने के बाद, उसने घोषणा की कि उसकी लड़ाई राष्ट्रपति असद के खिलाफ है, न कि अमेरिका के खिलाफ। उसे अमेरिका से किसी बड़े हमले का सामना नहीं करना पड़ा है, जिसके अभी भी पूर्वी सीरिया में सैकड़ों सैनिक हैं।

इस समय गृहयुद्ध फिर से क्यों शुरू हो गया है?

- मध्य पूर्व या पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच सीरिया में फिर से शुरू हुआ युद्ध वैश्विक संघर्षों से कहीं ज्यादा जुड़ा हुआ है। वैश्विक संघर्षों के एक असामान्य संगम ने राष्ट्रपति असद के खिलाफ़ अपने हमले को बढ़ाने के लिए सशस्त्र विद्रोह के लिए जगह बनाने में मदद की है। यूरोप में यूक्रेन युद्ध और लेबनान/गाजा में दो नए युद्धों ने सीरिया में पुराने युद्ध को फिर से शुरू करने में मदद की है।
- पिछले तीन वर्षों में, यूक्रेन पर आक्रमण ने सीरिया में रूस की सैन्य स्थिति और संसाधनों पर दबाव डाला है। चूंकि 2016 में रूस के प्रवेश ने असद को युद्ध में बाजी पलटने में मदद की थी, इसलिए रूस पर दबाव सीरियाई सशस्त्र विपक्ष के लिए एक अवसर के रूप में आया है।
- दूसरी ओर, सीरिया में असद की सेनाओं के साथ लड़ने वाले ईरान समर्थित जमीनी प्रॉक्सी - ख़ास तौर पर हिज़्बुल्लाह - लेबनान में इजराइल के हवाई और जमीनी अभियान और

हिज़्बुल्लाह के वरिष्ठ नेतृत्व के खात्मे के कारण काफी कमजोर हो गए हैं। सीरिया में नए सिरे से शुरू हुए युद्ध में हिजबुल्लाह की अनुपस्थिति शायद सबसे ज़्यादा स्पष्ट है, जो कम से कम अभी के लिए विद्रोहियों के हमले के समय को सही साबित करती है।

- इन भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने विद्रोहियों को अपना आक्रमण शुरू करने का अवसर प्रदान किया। ईरान, हिज्बुल्लाह और रूस के सीधे समर्थन के बिना, सीरिया के सैनिक कमजोर थे। कथित तौर पर तुर्की द्वारा समर्थित उग्रवादियों ने उस कमजोरी का फायदा उठाया और पूरे अलेप्पो पर कब्जा करने के लिए तेज़ी से आगे बढ़े।

युद्ध के इस नए चरण का असद शासन के लिए क्या मतलब है?

- उल्लेखनीय है कि 2016 में अलेप्पो पर फिर से कब्जा करने में राष्ट्रपति असद को चार साल लग गए थे, उसे HTS के हाथों खोने में सिर्फ चार दिन लगे। यह उनके शासन के लिए एक शर्मनाक झटका है। हामा पर आतंकवादियों के हमलों से दमिश्क में खतरे की घंटी बजनी शुरू हो गयी। क्योंकि अगर हामा गिरता है, तो आतंकवादी होम्स को निशाना बनाएंगे। उत्तर में शासन बलों के पतन ने देश के

अन्य हिस्सों में अन्य छोटे विद्रोही समूहों को फिर से सक्रिय कर दिया है। अचानक से असद शासन को एक पूर्ण विकसित गृह युद्ध का सामना करना पड़ता है।

- लेकिन असद को खारिज करना जल्दबाजी होगी, जो एक बार सालों लंबे गृह युद्ध से बच गए थे। असद के शासन के तटीय क्षेत्रों और देश के अल्पसंख्यकों के बीच गहरी पैठ हैं।
- 2012 के मध्य तक, युद्ध में 100,000 लोगों की मौत हो चुकी थी और सशस्त्र विपक्ष दमिश्क के करीब पहुंच रहा था, सीरिया में पूर्व संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक मिशन प्रमुख ने घोषणा की थी कि असद के दिन गिने-चुने रह गए हैं। ग्यारह साल बाद, युद्ध के निर्णायक विजेता के रूप में असद का अरब लीग में धूमधाम से स्वागत किया गया।
- लेकिन, यह ध्यान देने योग्य है कि उनकी जीत कभी पूरी नहीं हुई - उत्तरी सीरिया तुर्की के नियंत्रण में रहा, और HTS उनके लिए खतरा बना रहा। यह एक प्रमुख कारण है कि असद खुद गाजा और लेबनान में युद्धों के दौरान अपनी इजरायल विरोधी प्रतिबद्धता में संयमित रहे।

सीरिया गृहयुद्ध में भारत का रुख:

- भारत लंबे समय से सीरिया में राष्ट्रपति असद के साथ खड़ा है, और ऐतिहासिक रूप से रूस की सैन्य भागीदारी का समर्थन करता रहा है। भारत-सीरिया विदेश कार्यालय परामर्श का छठा दौर 29 नवंबर को नई दिल्ली में हुआ, गृहयुद्ध के फिर से शुरू होने के दो दिन बाद।
- यद्यपि भारत की स्थिति को कई कारक प्रभावित करते हैं, लेकिन मुख्यतः यह क्षेत्र में स्थिर राजनीतिक शक्तियों के प्रति भारत की प्राथमिकता से उपजा है।

रोजगार सृजन के मामले में, PLI योजना अब तक मिश्रित परिणामों वाली रही:

मामला क्या है?

- घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रमुख उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (PLI) योजना रोजगार सृजन के मामले में अब तक मिली-जुली रही है।
- सूचना के अधिकार (RTI) अधिनियम के तहत प्राप्त आंकड़ों के आधार पर PLI योजनाओं का जायजा लेने से पता चलता है कि कपड़ा और उन्नत रासायनिक सेल जैसे क्षेत्रों ने अभी तक अपनी छाप नहीं छोड़ी है, मोबाइल फोन, खाद्य प्रसंस्करण और फार्मा उद्योग जैसे कुछ अन्य क्षेत्रों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है, और ऑटो, आईटी हार्डवेयर और विशेष इस्पात जैसे कुछ क्षेत्रों में गति पकड़ने में देरी हो रही है।

PLI योजनाओं में बेहतर रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्र:

- उल्लेखनीय है कि द इंडियन एक्सप्रेस द्वारा अनेकों RTI के माध्यम से विभिन्न मंत्रालयों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, PLI योजनाओं ने जून 2024 तक 5.84 लाख

प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं, जो कि अगले पांच वर्षों में 14 क्षेत्रों में सृजित किए जाने वाले कुल 16.2 लाख प्रत्यक्ष रोजगार का लगभग 36 प्रतिशत है।

- केवल तीन क्षेत्रों, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स और मोबाइल फोन (बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण), ने कुल सृजित नौकरियों (5.84 लाख) का 75 प्रतिशत (या 4.47 लाख) से अधिक का योगदान दिया। सरकार ने कहा था कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए PLI योजना, जिसे छह वर्षों (2021-22 से 2026-27) में लागू किया जाना है, 2.5 लाख नौकरियां पैदा करेगी; जून 2024 तक इसने 2.45 लाख नौकरियां पैदा कीं है।

PLI योजनाओं में उम्मीद से ख़राब रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्र:

- **वस्त्र उद्योग:** वस्त्र उद्योग के लिए सितंबर 2021 में अधिसूचित PLI योजना में शुरू में 7.5 लाख रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन कैबिनेट ने सिर्फ 2.5 लाख रोजगार सृजन के लक्ष्य को मंजूरी दी। जून 2024 तक पिछले 27 महीनों में इस क्षेत्र ने सिर्फ 12,607 रोजगार सृजित किए हैं।

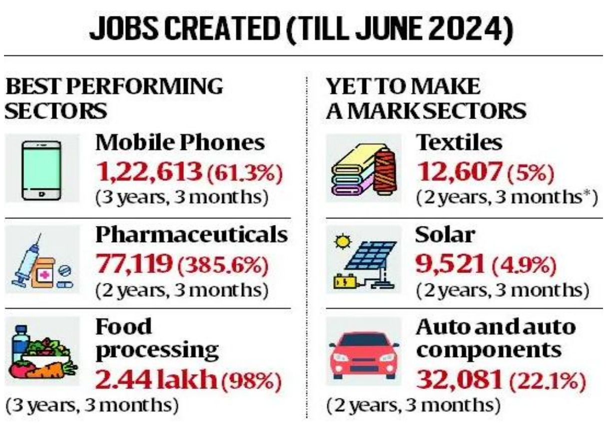

- **सौर मॉड्यूल:** सौर मॉड्यूल के लिए PLI योजना में सरकार ने पांच वर्षों में 1.95 लाख नौकरियों का लक्ष्य रखा है। जून 2024 तक, पिछले 27 महीनों में इस योजना ने 9,521 प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा की हैं।
- **एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC) बैटरी:** इसी तरह, ACC बैटरी स्टोरेज के लिए PLI योजना का उद्देश्य गीगा-स्केल ACC बैटरी सुविधाएं स्थापित करना है, लेकिन अभी तक पूरी तरह से शुरू नहीं हुआ है। मई 2021 में शुरू की गई इस योजना में अगले दो वर्षों यानी 2022-23 और 2023-24 में विनिर्माण सुविधाएं बनाने की परिकल्पना की गई थी। अब तक केवल 802 नौकरियां ही सृजित हुई हैं, क्योंकि उत्पादन अभी तक शुरू नहीं हुआ है।
- **ऑटोमोबाइल सेक्टर:** ऑटोमोबाइल सेक्टर के आंकड़ों से पता चलता है कि जून 2024 तक, पिछले 27 महीनों में 32,081 नौकरियां पैदा हुए हैं। जबकि सरकार का लक्ष्य पांच साल में 1.45 लाख नौकरियां पैदा करना है। 2023 में, PLI योजना को 2027-28 तक बढ़ा दिया गया।

PLI योजना: एक महत्वाकांक्षी पहल

- PLI योजना के तहत, जिसका उद्देश्य निजी निवेश को बढ़ावा देना और विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना है, सरकार बढ़ते उत्पादन के आधार पर कंपनियों को प्रोत्साहन प्रदान करती है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- इस योजना की पहली बार अप्रैल 2020 में घोषणा करने के बाद से, यह आज की तारीख में 14 क्षेत्रों को कवर करती है: कपड़ा, उन्नत रासायनिक सेल (ACC), सौर मॉड्यूल, ऑटो और ऑटो घटक, आईटी हार्डवेयर, विशेष इस्पात, मोबाइल फोन, दूरसंचार, चिकित्सा उपकरण, सफेद वस्तुएँ, फार्मास्यूटिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण, ड्रोन, और दवा मध्यवर्ती और सक्रिय दवा सामग्री (API)।
- मार्च 2024 तक, इन 14 क्षेत्रों के लिए PLI परिव्यय 1.97 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गया, और इस योजना ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) सहित 755 सफल आवेदकों और 1.23 लाख करोड़ रुपये के निजी निवेश को आकर्षित किया।
- हालांकि, उद्योग ने विभिन्न क्षेत्रों के लिए योजना में कुछ छोटी-छोटी समस्याओं की शिकायत की है जैसे: इसमें कड़े पात्रता मानदंड, चीनी मशीनरी और तकनीशियनों तक पहुंच की चुनौती और कुछ मामलों में आयात शुल्क शामिल हैं।

PLI योजना की भविष्य की सम्भावना:

- भारत सरकार के अनेक विभागों का मानना है कि विनिर्माण के इन क्षेत्रों में बेहतर आपूर्ति शृंखला स्थापित होने और योजनाओं का लाभ छोटे आपूर्तिकर्ताओं तक पहुंचने के बाद इन PLI योजनाओं से रोजगार परिणामों में वृद्धि का पूरा लाभ उठाया जा सकता है। ये लाभ मोबाइल विनिर्माण और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में दिखने लगे हैं।

- उल्लेखनीय है कि PLI योजना की संभावनाएं बहुत हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के फरवरी 2024 के एक नोट में कहा गया है कि PLI योजना, अपने समय अवधि के दौरान 3-3.5 लाख करोड़ रुपये का औद्योगिक पूंजीगत व्यय कर सकती है और अगले तीन से चार वर्षों में प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में कुल पूंजीगत व्यय का 8-10 प्रतिशत हिस्सा बन सकती है।
- उल्लेखनीय है कि कई PLI योजनाओं में, प्रोत्साहन के शुरुआती लाभार्थी बड़ी कंपनियां होने वाली हैं। मोबाइल फोन विनिर्माण में, अब तक का सबसे बड़ा लाभार्थी Apple रहा है।
- हालांकि, सरकार का मानना है कि इन उद्यमों को शुरुआती समर्थन समग्र आपूर्ति श्रृंखला तक पहुंचेगा और सहायक उद्योग को बढ़ावा देगा। इससे इनपुट निर्माताओं को भारत में अपनी कंपनी खोलने और प्रोत्साहन पाने वाली कंपनियों को सेवा देने का मौका मिलेगा। इससे रोजगार को और बढ़ावा मिल सकता है।
- उदाहरण के लिए, 2023 के लिए Apple के आपूर्तिकर्ताओं की सूची के अनुसार, इसके कम से कम 14 आपूर्तिकर्ता भारत से थे, यह संख्या Apple द्वारा भारत में iPhone असेंबल करना शुरू करने से पहले लगभग शून्य थी।

चीन ने कुछ दुर्लभ खनिजों के अमेरिका को निर्यात पर प्रतिबंध लगाया:

चर्चा में क्यों है?

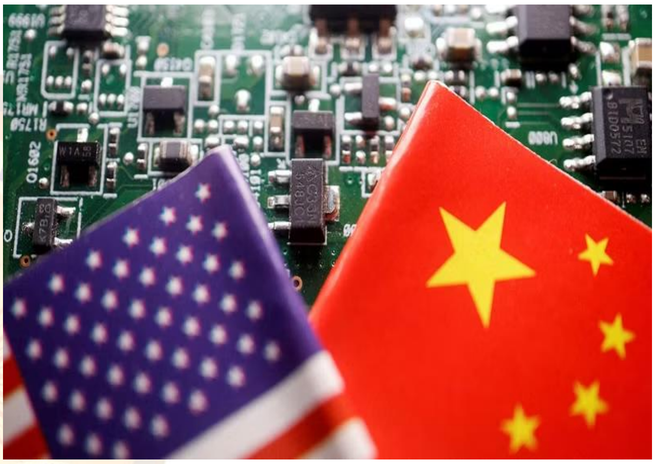

- चीन ने 3 दिसंबर को घोषणा की कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका को कुछ दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाएगा, जो दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार तनाव में नवीनतम वृद्धि को दर्शाता है।
- यह घटनाक्रम राष्ट्रपति जो बिडेन के प्रशासन द्वारा कुछ प्रकार के चिप्स और मशीनरी पर प्रतिबंध लगाने और 100 से अधिक चीनी कंपनियों को प्रतिबंधित-व्यापार सूची में जोड़ने के एक दिन बाद हुआ।
- उल्लेखनीय है कि चीन के इस कदम को राष्ट्रपति-निर्वाचित डोनाल्ड ट्रम्प का मुकाबला करने के एक नए तरीके के रूप में भी देखा जा रहा है, जो 20 जनवरी को पदभार ग्रहण करेंगे।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

किन दुर्लभ खनिजों पर प्रतिबंध लगाया गया है?

- चीन ने तीन प्रमुख दुर्लभ खनिजों - गैलियम, जर्मेनियम और एंटीमनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- गैलियम (परमाणु संख्या 31) एल्युमीनियम के समान एक नरम, चांदी-सफेद धातु है, जिसका गलनांक कमरे के तापमान से थोड़ा ऊपर है।
- जर्मेनियम (परमाणु संख्या 32) एक ग्रे-सफेद धातु (अर्थात अर्ध-धातु) है जो भंगुर है।
- एंटीमनी (परमाणु संख्या 51) एक कठोर, भंगुर, चांदी जैसा धातु है।

इन दुर्लभ खनिजों का क्या महत्व है?

- गैलियम, जर्मेनियम और एंटीमनी आज दुनिया में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं क्योंकि इनका ज्यादातर उपयोग कंप्यूटर, रक्षा और अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी में किया जाता है।
- जर्मेनियम कम कार्बन वाली प्रौद्योगिकियों जैसे कि सौर सेल के लिए महत्वपूर्ण है, वहीं सिलिकॉन के बजाय गैलियम आर्सेनाइड का उपयोग करके बनाए गए सेमीकंडक्टर वेफ़र उच्च आवृत्तियों पर चल सकते हैं और गर्मी प्रतिरोधी होते हैं।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

इसके अलावा, जर्मेनियम का उपयोग इन्फ्रारेड तकनीक, फाइबर ऑप्टिक केबल और सौर सेल में भी किया जाता है।

- उल्लेखनीय है कि सेमीकंडक्टर, जिन्हें माइक्रोचिप्स या एकीकृत सर्किट के रूप में भी जाना जाता है, आज 'नया तेल' है क्योंकि वे वर्तमान में व्यावहारिक रूप से हर आवश्यक उत्पाद के अंदर हैं - घरेलू उपकरणों से लेकर परिष्कृत रक्षा प्रणालियों, मोबाइल फ़ोन से लेकर कारों, खिलौनों से लेकर उच्च-स्तरीय लग्जरी उत्पादों तक।
- रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एंटीमनी का उपयोग गोलियों और अन्य हथियारों में किया जाता है।

चीन ने इन दुर्लभ खनिजों पर प्रतिबंध क्यों लगाया है?

- चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अमेरिका को गैलियम, जर्मेनियम और एंटीमनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रतिबंध न केवल बिडेन प्रशासन के हालिया प्रतिबंध के खिलाफ है बल्कि अमेरिका में चीनी सामानों के प्रभुत्व को रोकने की डोनाल्ड ट्रम्प की योजनाओं के खिलाफ एक जवाबी कदम है।
- उल्लेखनीय है कि चीन अर्धचालकों सहित उन्नत तकनीकों को बनाने के लिए आवश्यक दुनिया के लगभग सभी महत्वपूर्ण खनिजों का उत्पादन करता है - यह

दुनिया के 60% जर्मेनियम और 80% गैलियम का उत्पादन करता है। इसलिए, यह अब अमेरिका को निशाना बनाने के लिए निर्यात प्रतिबंध का उपयोग कर रहा है।

- लेकिन यह भी संभावना है कि ये उपाय चीन के लिए उलटे पड़ सकते हैं। उदाहरण के लिए, द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, "2010 में चीन द्वारा जापान को निर्यात को अस्थायी रूप से रोकने के बाद, जापानी सरकार ने ऑस्ट्रेलिया की एक कंपनी लिनास को वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता के रूप में वहाँ एक बड़ी दुर्लभ पृथ्वी धातुओं की खदान विकसित करने में मदद की"।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQs

1. चर्चा में रहे 'PLI योजना' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उद्देश्य निजी निवेश को बढ़ावा देना और विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना है।

2. PLI योजनाओं में, प्रोत्साहन के शुरुआती लाभार्थी सूक्ष्म और लघु उद्यम होने वाले हैं।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(a)

2. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सही सुमेलित है?

(a) जर्मेनियम : परमाणु संख्या 31

(b) सेलेनियम : परमाणु संख्या 34

(c) एंटीमनी : परमाणु संख्या 35

(c) गैलियम : परमाणु संख्या 51

Ans:(b)

3. चर्चा में रहे 'PLI योजनाओं में बेहतर रोजगार सृजन करने वाले क्षेत्र' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. PLI के लिए स्वीकृत 14 क्षेत्रों में जून 2024 तक 10 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं।

2. यह अगले पांच वर्षों में PLI के लिए स्वीकृत क्षेत्रों में सृजित किए जाने वाले कुल प्रत्यक्ष रोजगार का लगभग 52 प्रतिशत है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(d)

4. हाल ही चर्चा में रहे 'लेवांत क्षेत्र' में निम्नलिखित में से कौन-सा देश शामिल नहीं है?

(a) तुर्की

(b) सीरिया

(c) जॉर्डन

(d) इजराइल

Ans:(a)

5. हाल ही में सीरिया में गृहयुद्ध का नया चरण शुरू हुआ है। 'सीरिया के गृहयुद्ध' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सीरियाई गृहयुद्ध भी 2010 के "अरब स्प्रिंग" के आसपास शुरू हुआ था।

2. मार्च 2020 में, तुर्की और रूस के इदलिब में युद्ध विराम समझौते पर हस्ताक्षर करने के साथ ही यह समाप्त हुआ।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(c)